



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार; 11 जुलाई; 1995/20 आषाढ़, 1917

हिमाचल प्रदेश सरकार

गृह विभाग

अधिमूचना

शिमला-2; 6 जुलाई, 1995

संख्या गृह (ए०) ए० (9)-26/95.—हिमाचल प्रदेश सरकार के नोटिस में यह लाया गया है कि डल्हौजी पब्लिक पाठशाला बधानी, उप मण्डल पठाकोट के प्रबन्धकों ने 28 मई, 1995 को कक्षा 5 व 6 के छात्रों के लिए टाण्डा पतन, इन्दौरा, उप मण्डल नूरपुर, जिला कांगड़ा के नजदीकी स्थान में पिकनिक पार्टी का आयोजन किया था;

और यह कि हिमाचल प्रदेश सरकार के नोटिस में यह बात भी लाई गई है कि चयनित स्थान पिकनिक पार्टी का आयोजन करने के लिए उपर्युक्त नहीं था क्योंकि विद्यार्थी पत्थर, रोड़े, कंकर व रेत पर 41 डिग्री सैल्सियस की कड़कती धूप में खड़े होने के लिए बाध्य थे;

और यह बात भी हिमाचल प्रदेश सरकार के नोटिस में लाई गई है कि कड़कती धूप से बचने के लिए कुछ विद्यार्थी ब्यास नदी में कूद पड़े और उनमें से 16 बच्चे डूब कर मर गए;

और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए यह समाचीन होगा कि उक्त घटना जो कि सार्वजनिक हित और महत्व का मामला है की जांच के लिए जांच आयोग नियुक्त किया जाए;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, जांच आयोग अधिनियम, 1952 की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री आर० एल० खुराना, जिना एवं सत्र न्यायाधीश, कांगड़ा, धर्मशाला को उपर्युक्त घटना से सम्बन्धित निम्नलिखित विषयों पर जांच करने और इस सूचना के प्रकाशित किए जाने की तारीख से एक माह की अवधि के भीतर इस निमित्त अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करने के लिए जांच आयोग के रूप में नियुक्त करते हैं—

1. पिकनिक का आयोजन किसने किया था? क्या इसका आयोजन डल्हौजी पब्लिक स्कूल, बधानी, उष्मण्डल पठानकोट के प्रबन्धकों द्वारा अथवा किसी निजी एजेंसी द्वारा किया गया था?
2. इस पिकनिक में कितने विद्यार्थियों, अध्यापकों और स्टाफ के कितने अन्य सदस्यों ने भाग लिया?
3. उस स्थान की स्थलाकृति (टोपोग्राफी) जहां पर पिकनिक मनाई गई? क्या यह स्थान पिकनिक मनाने के लिए उपयुक्त था और इस स्थान का चयन करने के लिए कौन जिम्मेवार था?
4. 16 बच्चों के डूबने का त्रासदी किस समय हुई और इसकी सूचना अध्यापकों तथा अन्य साथ आए हुए स्टाफ को कितने बजे मिली? उनके द्वारा डूब रहे बच्चों को बचाने के क्या प्रयास किए गए और किस समय उन्होंने सहायता लेने के लिए स्थानीय प्रशासन तथा स्थानीय पुलिस को सूचित किया?
5. स्थानीय प्रशासन तथा स्थानीय पुलिस ने मृतक बच्चों के शवों को निकालने के क्या कार्रवाई की?
6. क्या डल्हौजी पब्लिक स्कूल के अध्यापकों/प्रबन्धकों द्वारा पिकनिक का प्रबन्ध एवं पिकनिक स्थल (स्पाट) चुनने में भूल की गई? क्या बच्चों की सुरक्षा तथा बचाव के कोई एहतियाती उपाय किए गए थे?
7. क्या एतिहासिक वस्तुएं तथा बच्चों के नियन्त्रण एवं किसी भी दुर्घटना से पूर्वानुमान सचेत न करने के लिए अध्यापक तथा साथ आया हुआ स्टाफ गलती, लापरवाही तथा कुवप्रन्ध का दोषी था?
8. भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक उपायों को सुझाना।
9. कोई अन्य विषय जो आयोग की राय में उपर्युक्त घटना से सम्बन्धित तथ्यों को अभिनिश्चित करने से सुसंगत हो?

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की आगे यह राय है कि इस सम्बन्ध में की जाने वाली जांच की प्रकृति तथा मामले की अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, जांच आयोग अधिनियम, 1952 की धारा 5 की उप-धारा (2), (3), (4) और (5) के उपबन्धों को आयोग के लिए लागू किया जाए और उपरोक्त अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देते हैं कि धारा 5 की उप-धारा (2), (3), (4) तथा (5) में वर्णित उपबन्ध आयोग का लागू होंगे।

आयोग का मुख्यालय धर्मशाला, जिना कांगड़ा में होगा और ऐसे स्थानों पर जा सकता है जो जांच के लिए आवश्यक हों।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
मुख्य सचिव।

[Authoritative English text of notification No. Home (A)A(9)-26/95, dated 6-7-1995 under Article 348 of the Constitution of India.]

HOME DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 6th July, 1995

No. Home (A) A (9)-26/95.—Whereas, it had been reported to the Government of Himachal Pradesh that a picnic party of students of class V and VI was arranged by the management of Dalhousie Public School, Badhani, Sub-Division Pathankot of Punjab on 28th May, 1995 at a spot near Tanda Pattan, Indora, in Nurpur Sub-Division of District Kangra;

AND WHEREAS, it has been brought to the notice of the Government of Himachal Pradesh that the spot selected was not fit for holding the picnic as the students were made to stand on stones, pebbles and sand under the sweltering heat of the sun raising to 41 degree celsius;

AND WHEREAS, it has further been brought to the notice of the State Government that in order to escape the heat some of the children plunged into the river Beas and 16 of them died on account of drowning;

AND WHEREAS, the Governor of Himachal Pradesh is of the opinion that it would be more expedient and in the public interest to appoint a Commission of Inquiry to enquire into the aforesaid occurrence which is a matter of public interest and concern;

NOW, THEREFORE, the Governor of Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in him under section 3(1) of the Commission of Inquiry Act, 1952 is pleased to appoint Shri R. L. Khurana, District & Sessions Judge, Kangra at Dharamshala as the Commission of Inquiry and to enquire into and report on the following matters in relation to the aforementioned occurrence within a period of one month from the date of publication of this notification:—

1. Who had arranged the picnic? Whether the management of the Dalhousie Public School Badhani, Sub-Division, Pathankot or by some private agency?
2. How many students, teachers and other staff members participated in the picnic?
3. Topography of the area where the picnic was held? Was the area suitable for holding the picnic and who was responsible for selection of the spot?
4. At what time the tragedy of drowning of 16 children occurred and at what time the teachers and other accompanying staff came to know about it? What efforts were made by them to rescue the drowning children and at what time did they report the matter to the local administration and police for seeking their help?
5. What action was taken by the local administration and police to rescue and retrieve the dead bodies of the children?
6. Was there any lapse on the part of the teachers/management of the Dalhousie Public School in arranging and selecting a spot of picnic? Were any precautionary measures in regard to security and safety of the children taken?

7. Were the teachers and other accompanying staff responsible for mishandling, negligence and mismanagement in taking precautionary measures in controlling the children against any mis-adventure ?
8. To recommend steps for the prevention of reoccurrence such incidents in future; and
9. Any other matter which in the opinion of the Commission is relevant to the ascertaining of facts relating to the aforesaid occurrence.

Further, the Governor of Himachal Pradesh, is of the opinion that having regard to the nature of the enquiry to be conducted and other circumstances of the case, the provisions of sub-section (2), (3), (4) and (5) of section 5 of the Commission of Inquiry Act, 1952 should be made applicable to the Commission and in exercise of the powers vested in him under sub-section (1) of section 5 of the aforesaid Act is pleased to direct that the provisions contained in sub-section (2), (3), (4) and (5) of section 5 shall apply to the Commission.

The Commission shall have its headquarters at Dharamshala District Kangra and may also visit such of the places as may be necessary in furtherance of the Inquiry.

By order,

Sd/-
Chief Secretary.